Regarding problems faced by tea gardens and their workers in North Bengal

श्री मनोज तिग्गा (अलीपुरद्वारस) : मैडम, मैं पश्चिम बंगाल के अंतर्गत उत्तर बंगाल के चाय बगान की समस्या की ओर सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा । 34 सालों तक वामपंथ का शासनकाल था 15 सालों के टीएमसी के शासनकाल में एक के बाद एक चाय बगान बंद होते जा रहे हैं और वहां काम करने वाले आदिवासी और गोरखाओं की समस्या बहुत बड़ी हो गई है । चाय बगान बंद होने के कारण श्रमिक वहां से पलायन कर रहे हैं और श्रमिकों को मूलभूत सुविधाओं से जैसे पीने के पानी, राशन, आवास इन सभी चीज़ों से वंचित किया जा रहा है । मेरा आप सभी से निवेदन है कि एक फैक्ट फाइंडिंग कमिटी का गठन किया जाए और चाय बगान की जो समस्या है, उसकी ठीक ढंग से जांच कर के उसका समाधान करने हेतु मैं सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ ।